











75  
आजादी के अमृत महोत्सव से  
स्वर्णिम भारत को ओर

75  
आजादी के अमृत महोत्सव

ब्रह्माकुमारीज व्यापार एवं उद्योग प्रभाग द्वारा आयोजित

# स्नेह मिलन

आत्म निर्भर भारत से स्वर्णिम भारत

प्रस्तापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, शिवलीपुर

OMSHANTI

BRAHMA KUMARS



OPENED 1999



# वीर हनुमान मंदिर पर ब्रह्माकुमारी द्वारा स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित



स्वदेश संवाददाता, खिलचीपुर

ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र के द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर थीम के अंतर्गत संस्था के व्यापार एवं उद्योग प्रभाग द्वारा खिलचीपुर के व्यापारियों का स्नेह मिलन कार्यक्रम एवं ब्रह्मा भोजन का आयोजन प्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री वीर हनुमान मंदिर खांडी बावड़ी पर आयोजित किया गया, जिसमें खिलचीपुर के व्यापारी बंधुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई एवं संस्था के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पहुंच कर ब्रह्मभोज का लाभ उठाया। कार्यक्रम में नगर के व्यापारी संघ के अध्यक्ष ओम गुप्ता, राकेश पंचोली, महेंद्र गुप्ता, प्रकाश चौधरी, राधेश्याम गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, भंवर लाल

सिंधी, सुरेश गुप्ता, बृजमोहन गुप्ता सहित उपस्थित अतिथियों ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर राजगढ़ जिले की प्रभारी ब्रह्माकुमारी मधु दीदी ने आत्मनिर्भर का आध्यात्मिक अर्थ बताते हुए कहा कि आत्मनिर्भर अर्थात् आत्मा पर निर्भर, अर्थात् उसी आधार पर हम अपना जीवन जीए और सफल बनाएं। कार्यक्रम के दौरान प्रतीक एंड जीवन ग्रुप ने बेहतरीन नाटक की प्रस्तुति दी। ईश्वर मालाकार एवं गोवर्धन व्यास ने ये दुनिया है काला बाजार के पैसा बोलता है पर बेहतरीन नृत्य की प्रस्तुति दी। मंच संचालन सुरेखा दीदी ने स्वागत भाषण प्रेम मालाकार ने अतिथियों का स्वागत ब्रह्मा कुमारी नीलम बहन ने संस्था का परिचय अनिल गुप्ता ने एवं आभार डॉ मस्ताना ने माना।





आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर  
75 आजादी के अमृत महोत्सव  
आजादी के अमृत महोत्सव द्वारा आयोजित  
**रजिह मिलन**  
आत्म निर्यात भारत से स्वर्णिम भारत  
आजादी के अमृत महोत्सव  
खिलवीपुर

भारत में पूरा विकास सबको की विचार एक मंच से मुक्त हो सकते हैं।

भारत में पूरा विकास सबको की विचार एक मंच से मुक्त हो सकते हैं।

भारत में पूरा विकास सबको की विचार एक मंच से मुक्त हो सकते हैं।

कम बोलो, धीरे बोलो, मीठा बोलो। सुख दो, सुख लो।

कम बोलो, धीरे बोलो, मीठा बोलो। सुख दो, सुख लो।

कम बोलो, धीरे बोलो, मीठा बोलो। सुख दो, सुख लो।

कम बोलो, धीरे बोलो, मीठा बोलो। सुख दो, सुख लो।

कम बोलो, धीरे बोलो, मीठा बोलो। सुख दो, सुख लो।

कम बोलो, धीरे बोलो, मीठा बोलो। सुख दो, सुख लो।









